संख्या-47/2020/2092/71-2-20-के0जी0एम0यू0-02/2020

प्रेषक,

कुलदीप कुमार रस्तोगी,
उप सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

कुलसचिव,
किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 लखनऊः दिनांक 18 जुलाई, 2020

विषयः- वित्तीय वर्ष 2020-21 में के0जी0एम0यू0 के आर0ए0ए0एल0सी0 भवन में कोविड वार्ड (200 बेड) बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यों की प्रायोजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति तथा प्रथम किश्त की धनराशि अवमुक्त किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्रांक-1895/71-2-2020-के0जी0एम0यू0-02/2020, दिनांक 08.07.2020 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ के आर0ए0ए0एल0सी0 भवन में कोविड वार्ड (200 बेड) बनाये जाने हेतु आवश्यक कार्यों की प्रायोजना की लागत रू0 392.36 लाख (रूपया तीन करोड बानबे लाख छत्तीस हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए अनुदान संख्या-031 से रू0 162.00 लाख तथा अनुदान संख्या-083 से रू0 34.18 लाख अर्थात रू0 196.18 लाख (रूपया एक करोड छियानबे लाख अट्ठारह हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त किये जाने पर राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैः-

1) प्रश्नगत कार्य के लिए निर्विवाद रूप से नियमानुसार भूमि उपलब्ध होने के उपरांत ही कार्य प्रारम्भ किए जाएंगे।
2) प्रश्नगत प्रायोजना हेतु धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार किया जायेगा। धनराशि आहरित कर किसी बैंक/डाकघर/पी0एल0ए0 इत्यादि में नहीं रखा जायेगा।
3) कुलपति/कुलसिचव, के0जी0एम0यू0 द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला (वर्कशाप) आर0ए0ए0एल0सी0 भवन में ही रहेगी तथा दिव्यांगों का इलाज/कार्य किसी भी दशा में बाधित न हो।
4) प्रायोजना पर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव/ कुलपति की होगी।
5) नियमानुसार समस्त आवश्यक अनापत्तियॉ यथा वैधानिक अनापत्तियॉ, फायर एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स इत्यादि सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा।
6) प्रायोजना का कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व मानचित्रों को आवश्यकतानुसार सक्षम स्तर से स्वीकृत कराया जाय।
7) विश्वविद्यालय के कुलपति/कुलसचिव द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रश्नगत कार्य किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है।
8) विश्वविद्यालय/कार्यदायी संस्था द्वारा प्रायोजना का कार्य अनुमोदित लागत में ही यथाशीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
9) प्रश्नगत वित्तीय स्वीकृति जिस कार्य/मद हेतु की जा रही है, उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य/मद में किया जाएगा।
10) स्वीकृत धनराशि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजना के लिये नहीं किया जायेगा तथा व्यय, स्वीकृत धनराशि तक सीमित रखा जायेगा।
11) प्रश्नगत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को प्रत्येक माह अवगत कराते हुए यथासमय कार्यदायी संस्था/संस्थान के सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करते हुए उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन/महालेखाकार को उपलब्ध कराया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

12) कुलपति/कुलसचिव द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रायोजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों की द्विरावृत्ति (डूप्लीकेसी) नहीं हो रही है। इसे रोकने की दृष्टि से प्रायोजनान्तर्गत किसी भी निर्माण कार्य से पूर्व कुलपति/कुलसचिव द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कि यह कार्य पूर्व में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम के अंतर्गत न तो स्वीकृत है और न वर्तमान में किसी अन्य योजना/कार्यक्रम में आच्छादित किया जाना प्रस्तावित है।

13) कार्यदायी संस्था को आगणन में अनुमोदित सीमा तक ही सेंटेज चार्ज दिया जाएगा।

14) आगणन में वर्णित लेबर सेस की कुल धनराशि इस शर्त के अधीन होगी कि श्रम विभाग को उक्त धनराशि का भुगतान किया जायेगा।

15) प्रश्नगत प्रायोजना/वित्तीय स्वीकृति के संबंध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020, दिनांक 24.03.2020 तथा शासनादेश संख्या-4/2020/बी-1-192/दस-2020-231/2020, दिनांक 07.04.2020 एवं संख्या-5/2020/बी-1-196/दस-2020-231/2020, दिनांक 11.04.2020 में उल्लिखित व्यवस्था का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

16) प्रायोजना के संबंध में सुसंगत वित्तीय नियमों व अन्य नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- धनराशि को कोषागार से वित्त अधिकारी, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आहरित किया जायेगा एवं बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

3- प्रश्नगत प्रायोजना हेतु अवमुक्त धनराशि रू0 162.00 लाख चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के अनुदान संख्या-031-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के पूंजी लेखा लेखाशीर्षक ''4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-06-किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश-24-वृहत निर्माण कार्य'' के नामे डाला जायेगा।

4- प्रश्नगत प्रायोजना हेतु अवमुक्त धनराशि रू0 34.18 लाख चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-083-समाज कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना) के लेखाशीर्षक ''4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-03-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना-31-के0जी0एम0यू0, लखनऊ-24-वृहत् निर्माण कार्य'' के नामे डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-669, दिनांक 17.07.2020 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(कुलदीप कुमार रस्तोगी)
उप सचिव।

संख्या-47/2020/2092(1)/71-2-20-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1) महालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद ।
2) मुख्य कोषाधिकारी, कलेक्ट्रेट/जवाहर भवन, लखनऊ।
3) महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
4) वित्त अधिकारी, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उ0प्र0, लखनऊ।
5) वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग-4
6) स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0।
7) प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, लखनऊ ।
8) प्रभारी अधिकारी, एन0आई0सी0, छठा तल, योजना भवन।
9) गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(प्रेम शंकर तिवारी)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in